Title: Need to provide financial aid to tackle the drinking water crisis and drought situation in many parts of Rajasthan and Gujarat.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान में इस समय जो भयंकर अकाल की समस्या है, उसकी तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। राजस्थान राज्य के 26 जिलों में भयंकर सूखा और अकाल के कारण घोर पेयजल संकट और भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। वहां के 32 में से 26 जिलों में 25 हजार गावों की ढाई करोड़ जनता और साढ़े तीन करोड़ पशुधन घोर अकाल की विभीषिका से जूझ रहे हैं। वर्षा न होने के कारण सारी फसलें बर्बाद हो गई हैं, प्रचंड गर्मी के कारण सारे कुंए, बावड़ी, तालाब, हैंड पम्प, ट्यूब वैल सूख गये हैं और जमीन के पानी का स्तर बहुत नीचे चला गया है। पेयजल और भुखमरी के कारण ग्रामीण अंचलों में त्राहि-त्राहि मची हुई है। पशुधन चारे और पानी के अभाव में मौत का शिकार हो रहे हैं। लोगों ने पशुओं को अपने हाल पर छोड़ दिया है। रोजी-रोटी में तलाश में गांव के गांव खाली हो रहे हैं, बीमारियां फैल रही है। 30-40 वर्षों में ऐसा घोर अकाल पड़ा है, लोगों को अपनी प्यास बुझाने के लिए मीलों दूर जाना पड़ रहा है। राजस्थान सरकार सीमित साधनों के कारण अपने आपको असहाय पा रही है। इसलिए मैं भारत सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि राजस्थान

के इस घोर अकाल और भयावह पेयजल संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर अविलम्ब युद्ध स्तर पर विशेष सहायता प्रदान की जाए जिससे कि जन, धन और पशुधन की रक्षा हो सके तथा वहां पेयजल की व्यवस्था हो सके। धन्यवाद।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This morning, on behalf of the Congress Party, we gave a notice requesting both the Minister of Agriculture and the Minister of Parliamentary Affairs to be present in the House. A very serious situation is now confronting the country. The States of Gujarat, Rajasthan, Eastern Uttar Pradesh, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, West Bengal, Orissa and parts of Assam are badly threatened with the severest, unprecedented drought. As a result, the howsoever technologically developed water management policy has totally failed. Mr. Deputy-Speaker, Sir, Israel's rainfall is one-tenth of the rainfall of India, yet it could adopt the technology to manage the water so as to control the situation but we have failed.

The situation in Gujarat is that water is being bought. In Rajasthan, not an inch of grassland is there where cattle can graze even. We got a message last week that in the entire part of Orissa right from Kalahandi to the coastal belt and West Bengal, especially North Bengal and South Bengal districts, Bankura and Purulia, even the drinking water level of the deep tubewell has gone down. The situation is so critical that I thought the Government would give it the utmost priority to take it up immediately, if not today at least tomorrow.

The Government should see to it that a collective effort is made by both the central and the State Governments to respond to the situation. I am afraid, because of this drought the law and order situation of the State will further deteriorate because on the one hand there is no supply to the PDS and the prices have gone up and on the other, there is a cut on the employment assurance programmes which these days are being looked after by the *Panchayats*. What we say in Hindi,हाहाकार मच गया है।There is a horrible situation in the villages. I have got a report from our party workers from Rajasthan and Gujarat that the situation has gone to the extent that even those who talk of relief are beaten.

I urge upon the Minister of Parliamentary Affairs to convey our feelings to the Government immediately. In the morning, we purposely gave a notice to both the Minister of Agriculture and the Minister of Parliamentary Affairs to respond to the situation today itself. Through you, I would request the Government to take it up seriously and involve all the concerned State Governments to meet the situation.

श्री शंकरसिंह वाघेला (कपड़वंज) : उपाध्यक्ष महोदय, श्री दासमुंशी जी ने और रासा सिंह रावत जी ने जो सवाल उठाया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। कल ही भावनगर में 2000 लोग पीने के पानी के लिए सरकार के पास गए तो उनको गोली मिली। मांगा पानी मिली गोली। कुछ समय पहले तीन किसानों को वहां की भाजपा सरकार ने फायरिंग करके मार डाला था। हाउस में 15 दिसम्बर, 1999 को प्रधान मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि सदन में पानी की समस्या पर विशेष चर्चा कराएंगे। मैं फिर से आप और माननीय मंत्री जी के माध्यम से प्रधान मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि पानी के बारे में इस सदन में चर्चा कब कराएंगे? यह सिर्फ पानी का ही सवाल नहीं है। वहां की सरकार को इस बारे में जो चिन्ता होनी चाहिए वह नहीं है। शहरों में चार दिन में आधा घंटा पानी मिलता है। गांव में 10 किलोमीटर तक पानी नहीं मिलता है। आज तक करीब 2000 कैटल विशेकर गायें पानी के अभाव से मर गई होंगी। सरकार पाइपलाइन के कॉनट्रैक्ट में जितना इंटरस्ट लेती है, उतना पानी प्रोवाइड करने में इंटरस्ट नहीं लेती है। करप्शन में इंटरस्ट है। पानी पहुंचाने के लिए एक ही जगह जहां से पानी लाना है मुख्य मंत्री, जहां पानी पहुंचा होम मिनिस्टर और जहां से पानी वितरण करना है वहां के मेयर इनॉगरेशन करते हैं तीन जगह से इनोगरेशन होता है। लेकिन जिन लोगों को पानी मिलना चाहिए उनको पानी नहीं मिलता है। इतना ही नहीं, दो लोग खाने और पानी के अभाव में मर गए। जहां अकाल पर काम चल रहा था, साबरकांडा जिले में वहां पानी नहीं मिलने से एक आदमी ने दम तोड़ दिया। उसका पोस्टमार्टम वहीं जमीन पर रेत पर किया गया। वहां कोई डॉक्टर नहीं था। आठ किलोमीटर पर हॉस्पिटल था, वहां नहीं किया गया, यानी वह अकाल से मर गया, बिना खाना खाए और पानी पिये मर गया। उसकी भी सरकार को कोई चिन्ता नहीं है। वह पाप छिपाना चाहती है। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि प्रधान मंत्री जी ने जो आश्वासन दिया था उसके अनुसार सदन में पानी की समस्या पर चर्चा होनी चाहिए।

नर्मदा योजना के बारे में प्रधान मंत्री जी ने चुनाव सभा में कहा था कि मैं पोलिटिकल पैचअप करके नर्मदा योजना साकार करूंगा। बिना पानी का यह वही इलाका है जहां नर्मदा का पानी जाता है। आपके माध्यम से मैं प्रार्थना करूंगा कि वहां पीने के पानी की चिन्ता सरकार करे, केन्द्र सरकार वहां मॉनीटरिंग करे, पैसे भी दे और लोग बिना पानी के न मरें। वहां वॉटर रॉयट्स होते हैं। फायरिंग होता है। इसमें गुजरात, राजस्थान और देश के अन्य इलाकों को जहां पानी नहीं है बचाया जाए।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It would not go on record.

*(Interruptions)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have not given notice. I cannot conduct the House like this. Those Members, who

have given notice, they will be getting a chance. If your name had been there, I would have given you chance.

...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रेश पटेल (जामनगर) : अध्यक्ष महोद्य, गुजरात में पीने के पानी का जो संकट है, जब तक नर्मदा योजना नहीं बनेगी, तब तक समस्या नहीं सुलझेगी। लेकिन मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार उस योजना को बनाने में दिक्कत डाल रही है।â€¦(व्यवधान)

SHRI RAMANAND SINGH (SATNA): Those who are new Members, they do not get chance...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: There will be no discrimination against new Members.